01-04-2019

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 14 मार्च 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग द्वारा चिकित्सा संस्थान में पहली बार किए गए लिवर प्रत्यारोपण का ऑपरेशन पूर्णता सफल हुआ तथा आज दिनांक 01 अप्रैल 2019 को रायबरेली निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति एवं उन्हें लिवर दान करने वाली उनकी 48 वर्षीय पत्नी को डिस्चार्ज कर दिया गया। यह जानकारी आज के0जी0एम0यू0 के प्रशासनिक भवन के बोर्ड रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में देते हुए चिकित्सा संस्थान के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भटट् देते हुए बताया कि मैक्स अस्पताल एवं के0जी0एम0यू0 के विभिन्न विभागों के सामूहिक प्रयास से यह लिवर प्रत्यारोपण पूर्णता सफल हुआ है।

इस अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भटट् ने सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 अभिजीत चन्द्रा की सराहना करते हुए कहा कि यह सफल ऑपरेशन के बाद चिकित्सा संस्थान में अप्रैल माह के अंत में एक और लिवर प्रत्यारोपण किया जाने की संभावना है, जिसके बाद लिवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता पड़ने वाले मरीजों को लाभ होगा।

सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 अभिजीत चन्द्रा ने बताया कि रायबरेली निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति क्रॉनिक लिवर डिजीज से पीड़ित थे। पीड़ित मरीज ने फरवरी 2019 में के0जी0एम0यू0 के सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग की ओ0पी0डी0 में दिखाया, जहां चिकित्सकों ने लिवर खराब होने पर उसे ट्रांसप्लांट की सलाह दी। ऐसे में पीड़ित की पत्नी ने अपना लिवर देने के लिए अपनी हामी भरी, जिसके बाद मरीज की क्लीनिकल पैथोलॉजिकल जांच की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद उन्होंने प्रत्यारोपण की प्लानिंग की। इसके लिए डॉ0 अभिजीत चन्द्रा ने ऑपरेशन से 10 दिन पहले मरीज को वार्ड में भर्ती किया और पांच दिन मरीज को विशेष प्रोटोकॉल में रखा और मरीज के प्रत्येक पल की हिस्ट्री बनाई गई। इसके बाद मैक्स हॉस्पिटल के वरिष्ट चिकित्सकों के सहयोग से 14 घंटे में संस्थान में पहला सफल लिवर प्रत्यारोपण किया गया।

डिस्चार्ज से पूर्व मरीज एवं उनकी पत्नी ने पत्रकारों से बातचीत में इस जटिल ऑपरेशन के सफल होने पर इसे अपना दूसरा जीवन बताते हुए ऑपरेशन करने वाली चिकित्सकों की टीम को धन्यवाद दिया और के0जी0एम0यू0 के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए बताया कि किसी अन्य अस्पताल में इस ऑपरेशन का खर्च 40 से 50 लाख बताया जा रहा था लेकिन के0जी0एम0यू0 में मात्र कुछ लाख रूपए में ही इतनी उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों एवं चिकित्सकों की मदद से यह ऑपरेशन सफल हुआ।

सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 अभिजीत चन्द्रा ने बताया कि इस लिवर ट्रांसप्लांट में मैक्स अस्पताल एवं के0जी0एम0यू0 के चिकित्सकों समेत 50 लोगों के स्टाफ ने सहयोग किया। इसमें मैक्स दिल्ली के लिवर ट्रांसप्लांट के विशेषज्ञ डॉ0 सुभाष गुप्ता, डॉ0 शालीन अग्रवाल, डॉ0 राजेश दुबे तथा के0जी0एम0यू0 के सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 अभिजीत चन्द्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 एस0एन0शंखवार, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ0 अनित परिहार, डॉ0 तूलिका चन्द्रा, डॉ0 रोहित डॉ0 नीरा कोहली, डॉ0 विवेक गुप्ता, डॉ0 प्रदीप जोशी, डॉ0 मो0 परवेज, डॉ0 अनीता मलिक, डॉ0 तन्मय समेत 50 कर्मियों के स्टाफ ने मरीज की प्रत्यारोपण प्रक्रिया में अपनी अह्म जिम्मेदारी निभाई।